के.मा.शि.सं. में उद्योग दिवस का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में 28 फरवरी, 2020 को वार्षिक उद्योग दिवस मनाया गया । यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (NAHEP) के अंतर्गत "उद्योग हेतु निपुण छात्रों तथा उद्यमशिलता विकास" विषय पर आयोजित किया गया । पैनल में मात्स्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे श्रिंप हैचरी, मछली प्रजनकों, आहार कंपनी, एडिटिव्स, कॉर्पोरेट फार्मिंग, रोप तथा केज कंपनी, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण तथा निर्यात, प्रमाणन प्रणाली, ई आई सी , भा.कृ.अनु.प.- सी आई एफ टी, एम पी ई डी ए आदि के 17 प्रतिनिधि शामिल थे ।

डॉ. के. वी. राजेंद्रन (विभागाध्यक्ष, जलीय पर्यावरण तथा स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग, के.मा.शि.सं.) एवं डॉ. अपर्णा चौधरी (विभागाध्यक्ष, मत्स्य आनुवंशिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, के.मा.शि.सं.) ने अतिथियों का स्वागत कर चर्चा हेतु आमंत्रित किया । डॉ. बी. बी. नायक (विभागाध्यक्ष, एफ आर एच पी एच एम विभाग, के.मा.शि.सं.) ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

पूर्वाहन में एक चयनित समूह की बैठक में भारतीय मात्स्यिकी क्षेत्र को अधिक लाभदायक, न्यायसंगत तथा टिकाऊ बनाने हेतु सामान्य कार्यसूची और आपसी सहयोग पर चर्चा की गई । दोपहर के सत्र में छात्रों को उद्योग में अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान तथा उद्योग में अपने केरियर संबंधी विचारों को सभी के सम्मुख रखने हेतु एक मंच प्रदान किया गया । छात्रों के लिए आकर्षक नौकरी की संभावनाओं और चुनौतीपूर्ण उद्यमशीलता के लिए पनप रहे जलकृषि तथा मत्स्य उद्योग की ओर मार्गनिर्देशित करने पर विचार किया गया था । कार्यक्रम का समापन डॉ. बी. बी. नायक द्वारा दी गई टिप्पणी और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ ।

INDUSTRY MEET
INDUSTRY MEET

INDUSTRY MEET